**January, 2015**

# स्नातकोत्तर कृषि विस्तार प्रबंधन डिप्लोमा (पी जी डी ए ई एम)

## द्वितीय सेमेस्टर 2013–14 सत्रांत परीक्षा एवं
## पूरक परीक्षा– 2007–08 से 2012–13 तक

## ए ई एम– 205 (ए) : टिकाऊ कृषि–विकास(3 क्रेडिट)

**अधिकतम अंक : 70** **समय : 2½ घंटे**

**किन्हीं पाँच प्रश्नों का उत्तर लिखिए। सभी प्रश्नों के अंक समान है।**

1. टिकाऊ खेती के कारक एवं उनके महत्व पर चर्चा कीजिए। अपने सेवारत क्षेत्र में आप कैसे टिकाऊ खेती को बढ़ावा देंगे?

2. सुनिश्चित खेती क्या है? परंपरागत खेती से यह कैसे भिन्न है? सुनिश्चित खेती की तकनीक को अपनाने के मार्ग एवं उपायों को स्पष्ट कीजिए।

3. स्थाई रूप में बढ़ती उत्पादकता के लिए समेकित पोषण प्रबंधन की आवश्यकता के बारे में आप क्या जानते हैं? टिकाऊ खेती के लिए समेकित पोषण प्रबंधन में पोषकतत्वों की अपूर्ती के लिए उपलब्ध विभिन्न स्रोतों पर चर्चा कीजिए।

4. टिकाऊ खेती में प्राकृतिक संसाधन के प्रबंधन के महत्व को स्पष्ट की जिए। प्राकृति संसाधन–प्रबंधन को बढ़ावा देने में आपके अनुभव पर उदाहरण सहित चर्चा कीजिए।

5. जैविक खेती की परिभाषा दीजिए। टिकाऊ मृदा एवं फसल–उत्पादकता के लिए जैविक खेती की विभिन्न फसल–प्रबंधन–क्रियाओं का वर्णन कीजिए।

6. जैव–नियंत्रण कारक क्या–क्या हैं? परभक्षी एवं परजीवी का अंतर समझाइए। जैविक नियंत्रण को बढ़ावा क्यों दें?

7. देशी तकनीकी ज्ञान क्या है? आपको ज्ञात एवं टिकाऊ खेती को बढ़ावा देने वाले देशी तकनीकी ज्ञान का उल्लेख कीजिए। देशी तकनीकी ज्ञान को लोकप्रिय बनाने के लिए अपनाई गई विस्तार नीति क्या है?

8. निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** पर संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए:

   अ) फसल–चक्र
   आ) जैविक खेती के गुण एवं दोष
   इ) सिंचाई के पानी की गुणवत्ता
   ई) समेकित कृषि प्रणाली
   उ) कीटों की निगरानी के लिए फेरोमोनजाल का उपयोग
   ऊ) जाल फसल–क्रिया

******

December, 2014

# स्नातकोत्तर कृषि विस्तार प्रबंधन डिप्लोमा (पी जी डी ए ई एम)
## द्वितीय सेमेस्टर 2013–14 सत्रांत परीक्षा एवं
## पूरक परीक्षा – 2007–08 से 2012–13 तक

## ए ई एम – 205 (ए) : टिकाऊ कृषि–विकास (3 क्रेडिट)

**अधिकतम अंक : 70** **समय : 2½ घंटे**

**किन्हीं पाँच प्रश्नों का उत्तर लिखिए। सभी प्रश्नों का अंक समान है।**

1. वैकल्पिक भूमि उपयोग प्रणाली के चयन में अपनाए जानेवाले मूल सिद्धांतों का उल्लेख कीजिए। स्थान–विशेष आवश्यकताओं के लिए उपयुक्त विभिन्नन वैकल्पिक भूमि उपयोग प्रणालियों का वर्णन कीजिए।

2. स्थान–विविधीकरण के तहत् कीटों के प्रकोप को कम करने के विभिन्न दृष्टिकोणों पर उदाहरण सहित चर्चा कीजिए। कृषि–योग्य फसलों में कीट प्रकोप के बारे में अपने व्यावहारिक ज्ञान के आधार पर टिकाऊ कीट प्रबंधन के लिए समेकित कीट प्रबंधन को बढ़ावा देने हेतु भावी कार्य–नीतियों का सुझाव दीजिए।

3. स्थाई रूप में बढ़ती उत्पादकता के लिए समेकित पोषण प्रबंधन की आवश्यकता के बारे में आप क्या जानते हैं? टिकाऊ खेती के लिए समेकित पोषण प्रबंधन में पोषक तत्वों की आपूर्ति के विभिन्न स्रोतों पर चर्चा कीजिए।

4. फसल की बढ़वार एवं पौध–विशेषता की गंभीर अवस्थाओं के आधार पर फसलों के लिए सिंचाई तालिका निर्धारित करने की प्रक्रिया के बारे में लिखिए। सिंचाई के पानी की गुणवत्ता के मूल्यांकन का आधार क्या है?

5. जैविक खेती की परिभाषा दीजिए। टिकाऊ मृदा एवं फसल–उत्पादकता के लिए जैविक खेती की विभिन्न फसल–प्रबंधन–क्रियाओं का वर्णन कीजिए।

6. मौसम की निम्नलिखित अनियमितताओं के विपरीत प्रभावों और खड़ी फसल की सुरक्षा के लिए संभाव्य प्रबंधन–नीतियों का उल्लेख कीजिए:
   (क) अत्यधिक वर्षा (ख) अल्प वर्षा (ग) असामयिक वर्षा (घ) हवा

7. देशी तकनीकी ज्ञान की अवधारणा क्या है? कृषि के क्षेत्र में विकास, अनुसंधान एवं विस्तार में देशी तकनीकी ज्ञान की प्रासंगिकता के बारे में लिखिए।

8. सुनिश्चित खेती की प्रबंधन–क्रियाओं में उपयोग की जा रही तकनीकी के अंगों का उल्लेख कीजिए। कृषि की भारतीय परिस्थिति में सुनिश्चित खेती को अपनाने में आनेवाली बाधाओं का वर्णन कीजिए।

******

# स्नातकोत्तरकृषिविस्तारप्रबंधनडिप्लोमा (पीजीडीएईएम)
## परीक्षा–जुलाई, 2014

## पाठ्यक्रम 205(ए) : टिकाऊकृषिविकास(3 क्रेडिट)

**अधिकतमअंक : 70** **समय : 2½ घंटे**

किन्हीं**पाँच**प्रश्नोंकाउत्तरलिखिए ।सभीप्रश्नोंकाअंकसमानहै।

1. टिकाऊ खेती के मूलसिद्धांतोंकाउल्लेख कीजिए।टिकाऊ खेती के प्रमुख अंगोंपरचर्चाकीजिए।

2. प्राकृतिकसंसाधनों, जैसेमृदा एवं जल के प्रबंधन की विभिन्ननितियोंकावर्णनकीजिए।

3. निम्नलिखितमेंसेकिन्हीं**चार**परसंक्षिप्तटिप्पणियाँ लिखिए :
   (क) जलाक्रांति के कारण एवंइसकेहानिकारकप्रभाव
   (ख) कीटनियंत्रण की यांत्रिक विधियाँ
   (ग) कम बाह्य निवेशीटिकाऊ खेती
   (घ)हवा के लाभाकारी एवंहानिकारकप्रभाव
   (ङ) जैविक खेती के गुण एवंहानियाँ
   (च) समेकितकृषिप्रणाली

4. निम्नलिखितोंमेंसेकिन्हीं**दो**परसंक्षिप्तटिप्पणियाँ लिखिए :

   (क) वैकल्पिकभूमिउपयोगप्रणालियाँ
   (ख) सुनिश्चित खेतीकीतकनी
   (ग) जैविककीटनियंत्रण

5. फसलों की सिंचाईनिर्धारितकरने के लिए विभिन्नपादप एवंमृदासंबंधीमापदण्डोंपरचर्चाकीजिए।

6. जलवायुपरिवर्तन के प्रभावोंकाउल्लेख कीजिए।वर्षाआपदाप्रबंधनक्रियाओंपरविस्तारसेचर्चाकीजिए।

7. निम्नलिखितमेंसेकिन्हीं**चार**परसंक्षिप्तटिप्पणियाँ लिखिए :

   (क) नईपीढ़ी के कीटनाशक
   (ख) जैविक खाद याअपशिष्टपुनःचक्रण की विधियाँ
   (ग) मृदा–जलसंबंध
   (घ) फसलप्रणालियाँ
   (ङ) हरितगृहप्रभाव

8. कृषिमेंदेशीतकनीकीज्ञान के महत्वकासमर्थनकीजिए। कृषिअनुसंधान एवंकृषिविस्तारमेंदेशीतकनीकीज्ञान का `कैसे समेकित किया जा सकता है?

******

# स्नातकोत्तर कृषि विस्तार प्रबंधन डिप्लोमा (पीजीडीएईएम)

## विशेष पूरक परीक्षा – दिसंबर 2013

## पाठ्यक्रम 205(ए) : टिकाऊ कृषि विस्तार विकास (3 क्रेडिट)

**अधिकतम अंक : 70** **समय : 2½ घंटे**

किन्हीं **पाँच** प्रश्नों का उत्तर लिखिए। सभी प्रश्नों का अंक समान है।

1. वैकल्पि भूमि उपयोग प्रणालियाँ क्या–क्या हैं? भूमि उपयोग प्रणालियों के चयन में पालन किए जानेवाले मूल सिद्धांत क्या–क्या हैं?

2. जैविक कीट प्रबंधन के विभिन्न अंगों पर संक्षिप्त चर्चा कीजिए।

3. निम्नलिखितों में से किन्हीं **तीन** पर संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए :

   (क) फसल–चक्र
   (ख) सिंचाई के पानी की गुणवत्ता
   (ग) समेकित कृषि प्रणाली
   (घ) जैविक खेती के गुण एवं दोष
   (ङ) जल संभरण

4. निम्नलिखितों में से किन्हीं **दो** पर संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए :

   (क) टिकाऊ खेती
   (ख) देशी तकनीकी ज्ञान
   (ग) सुनिश्चित खेती (Precision farming)

5. समेकित पोषण प्रबंधन क्या है? समेकित पोषण प्रबंधन की आवश्यकता की विवेचना कीजिए।

6. फसलों की सिंचाई तालिका बनाने के विभिन्न मापदण्डों पर चर्चा कीजिए।

7. विपरीत मौसम परिस्थितियों के लिए संभाव्य प्रबंधन नीतियों के बारे में संक्षिप्त रूप में लिखिए।

8. जैविक खाद के प्रक्षेत्र एवं प्रक्षेत्र बाह्य स्रोतों का विस्तार से वर्णन कीजिए।

******

कृषि विस्तार प्रबंधन – 205–ए (एस)

# स्नातकोत्तर कृषि विस्तार प्रबंधन डिप्लोमा (पीजीडीएईएम)

## पूरक परीक्षा (Sept.2013)

## पाठ्यक्रम 205(ए) : टिकाऊ कृषि विकास (3 क्रेडिट)

**अधिकतम अंक : 70** **समय : 2½ घंटे**

**किन्हीं पाँच प्रश्नों का उत्तर लिखिए। सभी प्रश्नों का अंक समान है।**

1. टिकाऊ खेती क्या है? टिकाऊ खेती के घटक एवं सिद्धांत स्पष्ट कीजिए। टिकाऊ खेती को प्रभावित करनेवाले प्रमुख कारकों का वर्णन कीजिए।

2. सूक्ष्म खेती (Precision Farming) क्या है? यह परंपरागत खेती से कैसे अलग है? सूक्ष्म खेती को प्रभावी रूप से लागू करने के विभिन्न चरणों को स्पष्ट कीजिए।

3. निम्नलिखितों में से किन्हीं **तीन** पर संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए :

   (क) जल–संभर (Watershed)
   (ख) जैविक खादों का स्रोत
   (ग) केंचुआ खाद की तैयारी
   (घ) जैव–उर्वरक और जैव–कीटनाशक
   (ङ) पलवार (mulching)

4. निम्नलिखितों में से किन्हीं **दो** पर संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए :

   (क) समेकित पौषण प्रबंधन
   (ख) समेकित कीट प्रबंधन
   (ग) ग्रीन हाउस प्रभाव (Green House Effect)

5. उच्च फसल उत्पादन के लिए कृषि–पारिस्थितिकी में जल–स्रोतों के प्रबंधन की विभिन्न विधियाँ क्या–क्या हैं?

6. 'जलवायु–परिवर्तन' से आप क्या समझते हैं तथा यह कैसे खेती को समग्र रूप से प्रभावित करता है?

7. देशी तकनीकी ज्ञान(ITK) क्या है? कृषि–विकास में देशी तकनीकी ज्ञान (ITK) कैसे महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है?

8. मिट्टी का स्वास्थ्य बहुत ही महत्वपूर्ण है। आपके अनुभव से समेकित पोषण क्रियाओं के द्वारा मिट्टी के स्वास्थ्य को बनाए रखने के तरीके एवं साधनों को स्पष्ट कीजिए।

***

कृषि विस्तार प्रबंधन -- 205--ए (एस)

# स्नातकोत्तर कृषि विस्तार प्रबंधन डिप्लोमा (पीजीडीएईएम)
## अंतिम परीक्षा, प्रथम सत्र 2011--12 (अगस्त 2012)

## पाठ्यक्रम 205(ए) : टिकाऊ कृषि विकास (3 क्रेडिट)

**अधिकतम अंक : 70** **समय : 2½ घंटे**

**किन्हीं पाँच प्रश्नों का उत्तर लिखिए। सभी प्रश्नों का अंक समान है।**

1. टिकाऊ खेती क्या है? टिकाऊ खेती के घटक एवं सिद्धांत स्पष्ट कीजिए। टिकाऊ खेती में पारिस्थितिक संतुलन के मुख्य कारकों का वर्णन कीजिए।

2. टिकाऊ खेती में समेकित कीट प्रबंधन के मुख्य कारकों को स्पष्ट कीजिए।

3. समेकित पोषण प्रबंधन से आप क्या समझते हैं? समेकित पोषण प्रबंधन के विभिन्न स्रोतों को उदाहरण सहित स्पष्ट कीजिए।

4. निम्नलिखितों पर संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए :

   (क) जैव--परिमेय (bio-rational) कीटनाशक
   (ख) जैविक खादों का स्रोत
   (ग) पलवार (mulching)
   (घ) प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन की अवधारणा
   (ङ) वाष्प वाष्पोत्सर्जन (evapo-transpiration) के आकलन की विधि

5. जैविक खेती की परिभाषा क्या है? जैविक खेती के सिद्धांत क्या--क्या हैं? जैविक खेती में फसल--प्रबंधन को स्पष्ट कीजिए।

6. 'जलवायु--परिवर्तन' से आप क्या समझते हैं? मौसम--विपत्तियों के विभिन्न प्रकारों का उल्लेख कीजिए। कृषि में जलवायु--परिवर्तन की भूमिका पर चर्चा कीजिए।

7. आईटीके (ITK) क्या है? आपको ज्ञात आईटीके के बारे में बताइए। कृषि अनुसंधान एवं विस्तार में आईटीके को कैसे सम्मिलित किया जा सकता है?

8. सूक्ष्म खेती (precision farming) क्या है? यह परंपरागत खेती से कैसे अलग है? सूक्ष्म खेती की तकनीक को अपनाने के मार्ग एवं साधनों को स्पष्ट कीजिए।

***

NATIONAL INSTITUTE OF AGRICULTURAL EXTENSION MANAGEMENT
MANAGE